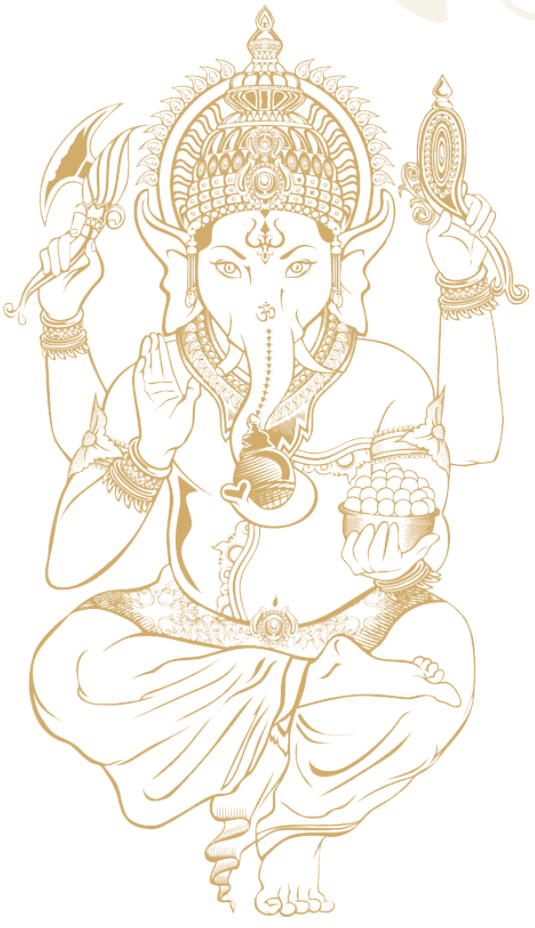

Babh

Ragini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121909902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/05/1995	जन्म तिथि	06/10/2003
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:16:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 35:34:09	जन्म समय(घटी)	12:06:25 घटी
India	देश	India
Bokaro	स्थान	Ara
23:51:00 उत्तर	अक्षांश	25:34:00 उत्तर
86:02:00 पूर्व	रेखांश	84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:08	स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:20	सूर्योदय	05:45:33
18:22:36	सूर्यास्त	17:33:23
23:47:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 0मा 27दि	16:47:36	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	20:08:26	मंगल 2वर्ष 11मा 12दि
राहु	04:19:42	वृष	सूर्य	कन्या	18:37:43	गुरु
15/06/2012	09:50:02	मक	चंद्र	कुंभ	01:02:52	17/09/2024
15/06/2030	03:31:30	सिंह	मंगल	कुंभ	06:44:31	17/09/2040
राहु 26/02/2015	23:38:59	वृष	बुध	कन्या	04:39:43	गुरु 05/11/2026
गुरु 22/07/2017	18:19:51	वृश्चि व	गुरु	सिंह	14:28:34	शनि 18/05/2029
शनि 28/05/2020	09:21:24	मेष	शुक्र	तुला	01:38:26	बुध 24/08/2031
बुध 15/12/2022	29:07:25	कुंभ	शनि	मिथु	18:58:18	केतु 30/07/2032
केतु 02/01/2024	11:37:10	तुला व	राहु व	मेष	27:14:25	शुक्र 31/03/2035
शुक्र 02/01/2027	11:37:10	मेष व	केतु व	तुला	27:14:25	सूर्य 17/01/2036
सूर्य 27/11/2027	06:35:46	मक व	हर्ष व	कुंभ	05:26:07	चन्द्र 18/05/2037
चन्द्र 28/05/2029	01:37:52	मक व	नेप व	मक	16:34:17	मंगल 24/04/2038
मंगल 15/06/2030	05:27:53	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:43:13	राहु 17/09/2040

लग्न-चलित

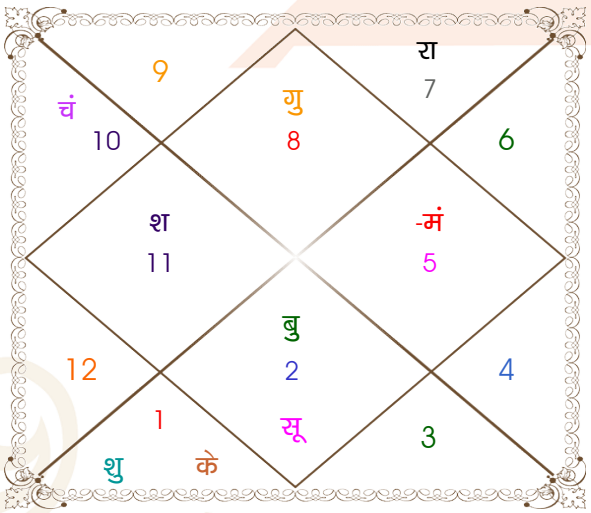

लग्न-चलित

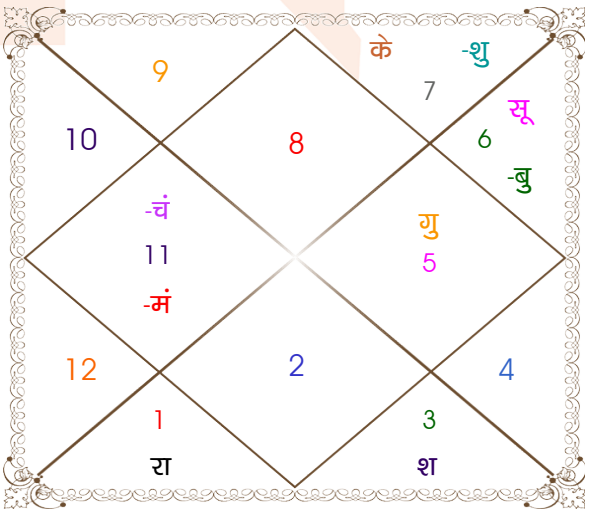

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Babh का वर्ग सिंह है तथा Ragini का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Babh और Ragini का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Babh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ragini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ragini कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Babh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Babh तथा Ragini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।